हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 118 | जौनपुर, मंगलवार 23 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला, कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी, मुनि मन हारी, अद्भुत रूप बिचारी ।।

खत्म हुआ 500 वर्षों का इंतजार, ठाठ से भव्य मंदिर में विराजमान हुए भगवान श्री राम

जिस क्षण का इस देश ने लगभग 500 वर्षों का इंतजार किया था, आखिर वह दिन आ ही गया। रामलला टाट से निकलकर ठाठ पर महल में विराजमान हो चुके हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम किया। इस दौरान उनके ठीक बगल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे।

अयोध्या (एजेन्सी)। जिस क्षण का इस देश ने लगभग 500 वर्षों का इंतजार किया था, आखिर वह दिन आ ही गया। रामलला टाट से निकलकर ठाठ पर महल में विराजमान हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम किया। इस दौरान उनके ठीक बगल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। रामलला प्राण प्रतिष्ठा साधु संतों और देश के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुई। रामलाल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए फिल्मी जगत, व्यापार जगत, खेल जगत और राजनीति के क्षेत्र के दिग्गज पधारे थे। यह 500 वर्षों का तपस्या है जो आज पूरा हुआ है। प्रभु राम ठाठ से विराजमान हुए हैं। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के ऊपर हेलीकॉप्टरों से पुष्पों की वारिस की गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कहा कि आज भगवान राम आए हैं। 22 जनवरी को पूरे देश में राम दीपावली है। इस दौरान प्रसिद्ध गायक सोनू निगम, अनुराधा पौडवाल, शंकर महादेवन ने अयोध्या में राम भजन प्रस्तुत किया। राम मंदिर को भव्य तरीके से फूलों से सजाया गया था।आमंत्रित लोगों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, अनुपम खेर, कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, प्रसून जोशी, मनोज जोशी, सचिन तेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रविशंकर प्रसाद और अनिल अंबानी शामिल हैं। विशिष्ट हस्तियों में हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, पवन कल्याण, मधुर भंडारकर, सुभाष घई, शेफाली शाह और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंच गए थे। कार्यक्रम के लिए आमंत्रित लोगों की सूची में सात हजार से अधिक लोग शामिल हैं। अयोध्या में सुबह से ही सड़कों पर राम धुन बज रही है।

पीएम मोदी ने की प्राण प्रतिष्ठा, दुनिया ने देखी प्रभु राम की भव्य और मनमोहक छवि

अयोध्या (एजेन्सी)। प्रभु श्रीराम अपने भव्य स्वरूप में राम मंदिर में विराजमान हो गए। 51 इंच की श्यामल प्रतिमा में विधि विधान के साथ प्राण फूंककर उसकी प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस मौके पर गर्भगृह में मुख्य यजमान अनिल मिश्रा के अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत मौजूद रहे। सिल्क के गोल्डन कलर के कुर्ते और धोती में पीएम मोदी शांत चित्त में नजर आए।

पूजा के दौरान वह लगातार हाथ जोड़कर बैठे रहे। उनके हाथ में कमल का फूल दिखा। गर्भगृह में उनके साथ मुख्य यजमान अनिल मिश्रा के साथ सीएम योगी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 11 दिन के विशेष अनुष्ठान का समापन अयोध्या में करेंगे। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमित्त पीएम इस अनुष्ठान के तहत यम नियम के धार्मिक व शास्त्रीय प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। 500 वर्षों से अधिक का इंतजार खत्म हो गया है। रामलला राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गए हैं। अभिनेता राम चरण ने कहा कि शानदार, यह बहुत सुंदर था...इसे देखना हर किसी के लिए सम्मान की बात है। यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि श्रभु राम लला भव्य अपने दरबार में पधार चुके हैं ये अद्भूत क्षण है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर स्पेशल डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा कि ष्सभी चीजें व्यवस्थित हो गई हैं। अभी सभी लोग दर्शन कर रहे हैं। ये हमारे लिए बड़ा मौका था हमने नया अनुभव भी प्राप्त किया जिसका हम आगे महाकुंभ में प्रयोग करेंगे। अयोध्या राम मंदिर श्राण प्रतिष्ठाश समारोह में भाग लेने के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ष्जीवन धन्य हो गया है, श्राम लला विराजमान हो गएश, उनके जन्मस्थान में। मुझे उन्हें करीब से देखने का मौका मिला। अयोध्या भूमि विवाद मामले में पूर्व वादी इकबाल अंसारी आज राम मंदिर श्राण प्रतिष्ठाश के लिए आमंत्रित लोगों में से थे।

पूजन के अंत में पीएम मोदी ने किया साष्टांग प्रणाम

अयोध्या (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में श्राण प्रतिष्ठाश समारोह के बाद अपना 11 दिन का उपवास तोड़ा। गोविंद देव गिरि महाराज द्वारा उन्हें श्चरणामृतश (अनुष्ठानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दूध से बना मीठा पेय) पिलाने के बाद उन्होंने अपना उपवास तोड़ा। गोविंद देव गिरि महाराज ने अपने 11 दिवसीय अनुष्ठान को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए पीएम मोदी की भक्ति की भी प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के बाद भगवान राम को 'दंडवत प्रणाम' किया। पीएम मोदी ने 12 जनवरी को घोषणा की थी कि वह अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह तक 11 दिवसीय विशेष अनुष्ठान शुरू करेंगे. अपने आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर पोस्ट किए गए एक ऑडियो संदेश में, प्रधान मंत्री ने कहा कि वह भाग्यशाली थे कि उन्होंने इसे ऐतिहासिक और शुभ अवसर के रूप में देखा। ऑडियो संदेश में उन्होंने कहा, ष्राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए केवल 11 दिन बचे हैं। भगवान ने मुझे अभिषेक के दौरान भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बनाया है। इसे ध्यान में रखते हुए, मैं आज से 11 दिनों के लिए एक विशेष अनुष्ठान शुरू कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा संपन्न हुई और देश –विदेश में लाखों रामभक्त इसके साक्षी बने।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद भावुक हुए संत

अयोध्या (एजेन्सी)। प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पीएम मोदी वहां मौजूद साधु–संतों से मिले। उन्होंने वहां महंत नृत्य गोपाल दास के पैर छुए। उन्होंने पीठ थपथपाकर उन्हें आशीष दिया। इसके बाद जब वह आगे बढ़े तो एक संत ने उनके हाथ को अपने हाथ में लेकर उनकी एक उंगली में अंगूठी पहना दी। ऐसा कहा जा रहा है कि इसके पहले मोदी की अंगुलियों में कोई और अंगूठी नहीं थी। यह एक भावुक लम्हा था। इसके बाद फिर एक संत ने उन्हें एक अंगूठी पहनाई। पीएम घूम–घूमकर सबसे मिलते रहे। इस बीच एक संत ने उन्हें तुलसी की माला भेंट की। मोदी को यहां पर प्रसाद भी दिया गया। जिसे उन्होंने माथे से लगाकर अपने सहयोगी को दे दिया।

खत्म हुआ 500 वर्षों का इंतजार

अयोध्या (एजेन्सी)। जिस क्षण का इस देश ने लगभग 500 वर्षों का इंतजार किया था, आखिर वह दिन आ ही गया। रामलला टाट से निकलकर ठाठ पर महल में विराजमान हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम किया। इस दौरान उनके ठीक बगल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। रामलला प्राण प्रतिष्ठा साधु संतों और देश के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुई। रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए फिल्मी जगत, व्यापार जगत, खेल जगत और राजनीति के क्षेत्र के दिग्गज पधारे थे।

एस के डी अकैडमी वृन्दावन में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी अकैडमी, वृन्दावन में आज नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक श्री मनीष सिंह ने सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। उनके विचारों से हमें नव भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान

एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसका विषय था "नव भारत के निर्माण में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के विचारों की प्रासंगिकता"।

इस प्रतियोगिता में संस्थान के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार छात्रा अंजलि पाल को, द्वितीय पुरस्कार अवंतिका पाण्डेय और तृतीय पुरस्कार रचित साहू को मिला।

कार्यक्रम में संस्थान की डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती निशा सिंह, असिस्टेंट डायरेक्टर श्रीमती कुसुम बत्रा, असिस्टेंट डायरेक्टर श्री डी के सिंह, और कॉलेज के सम्मानित शिक्षक गण उपस्थित थे।

पुत्री भगा ले जाने की पुलिस ने दो लोगो पर दर्ज की रिपोर्ट

बंडा (शाहजहांपुर)। रिश्तेदारी में आया एक युवक किशोरी को बहला–फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के पिता ने आरोपियों के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दी। बंडा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि जनपद पीलीभीत के थाना पूरनपुर का रहने वाला अमन उसकी पुत्री को बहला– फुसलाकर भगा ले गया और इस कार्य में उसके चाचा बडकाई का हाथ है। पीड़ित पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने युवती के पिता की तहरीर पर दो लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रामलला विराजमान : संबोधन के बाद अंबानी, अतिमाभ से मिले मोदी, संतों ने उतारे मोदी के वीडियो

अयोध्या (एजेन्सी)। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी ने करीब 35 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान वह कई बार भावुक तो कई बार जोश में दिखे। संबोधन के बाद पीएम मोदी सामने बैठी दर्शक दीर्घा की तरफ गए। वहां उन्होंने सामने की पंक्ति में बैठे अंबानी परिवार से मुलाकात की। उनको अपने तरफ आता देख सभी लोग कुर्सी छोड़कर खड़े हो गए। अंबानी का पूरा परिवार इस आयोजन में आया हुआ है। अंबानी के अलावा वह अमिताभ बच्चन से मिले। उनके साथ खड़े अभिषेक से भी अभिवादन किया। मोदी को अपनी तरफ आता हुए संत भी खुश हुए। पीछे पंक्तियों में बैठे लोग भी बैरीकेटिंग के पास तक आ गए। मोदी के साथ सीएम योगी भी उनके साथ थे। इस मौके पर खास लोग भी आम बन गए। लोगों ने पीएम की वीडियो उतारे। उनकी तस्वीरें लीं। राम मंदिर का प्रवेश अतिथियों के लिये खोला गया। संत लाइन लगाकर दर्शन के लिये पहुंचने लगे हैं। आज इस मंदिर में आमंत्रित अतिथि दर्शन करेंगे। इसके बाद आम लोगों के लिए मंदिर खोला जाएग। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि यह पल आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करता रहेगा।

राम राज्य की हुई शुरुआत, अयोध्या में बोले सीएम योगी

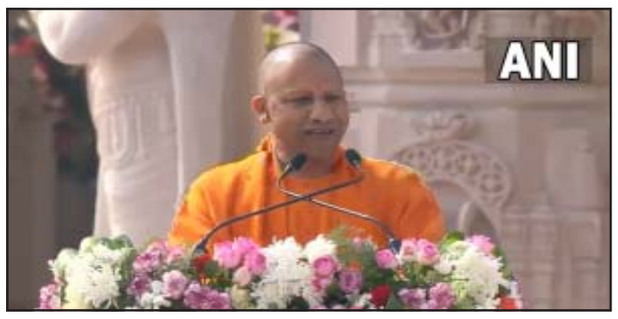

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मंदिर वहीं बनाया गया है, जहां हमने इसे बनाने का संकल्प लिया था

अयोध्या (एजेन्सी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पूरी करने के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मंदिर वहीं बनाया गया है, जहां हमने इसे बनाने का संकल्प लिया था। राम मंदिर परिसर के अंदर सभा को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि यह एक भावनात्मक क्षण था क्योंकि राम लला आखिरकार अपने सिंहासन पर लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि अब अयोध्या की सड़कें गोलियों की आवाज से नहीं गूंजेंगी। कोई कर्फ्यू नहीं होगा। अब यहां दीपोत्सव और रामोत्सव होगा। गलियों में गूंजेगा श्रीराम नाम संकीर्तन, क्योंकि यहां रामलला की स्थापना है रामराज्य का उद्घोष है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु राम लला के भव्य, दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि–कोटि बधाई... मन भावुक है... निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे... आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्या धाम है... हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम–रोम में राम रमे हैं... ऐसा लगता है कि हम त्रेतायुग में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि संभवतरू विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण होगा जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही राष्ट्र में, अपने आराध्य की जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो... आज आत्मा प्रभुल्लित है इस बात से कि मंदिर वहीं बना है जहां बनाने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ष्यह हम सभी के लिए एक भावनात्मक क्षण है और यह 500 साल के इंतजार के बाद आया है।ष आदित्यनाथ ने कहा, ष्पूरा देश राममय हो गया है (भगवान राम की भक्ति में डूबा हुआ)। ऐसा लगता है कि हम श्त्रेता युगश में आ गए हैं।ष योगी आदित्यनाथ ने नरेंद्र मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया। अक्टूबर 1990 में अयोध्या में दो अलग–अलग गोलीबारी में 17 लोग मारे गए थे। उन्होंने उस घटना को याद करते हुए कहा कि मंदिर के लिए कितने लोगों ने अपनी जान कुर्बान कर दी।

जम्मू कश्मीर में भी गूंजा जय श्रीराम, शंकराचार्य मंदिर में हुई विशेष पूजा

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। अयोध्या में प्रभु राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रभु श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लिया। आज के दिन देश के अलग–अलग मंदिरों में जबरदस्त तरीके से पूजा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में भी राम भक्त अपने आराध्य के स्वागत के जश्न में डूबे हुए दिखाई दिए। इस अवसर पर श्रीनगर के ऐतिहासिक के शंकराचार्य मंदिर में विशेष पूजा हुई। इस दौरान भक्तों की भारी भीड़ भी नजर आई। भक्त पूरी तरीके से राम भक्ति में लीन थे। पूजा करने के लिए आए यहां लोगों ने भगवान के दर्शन कर सुख शांति की प्रार्थना की। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करने के बाद वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए राम मंदिर का विरोध करने वाले लोगों पर भी तंज कसा।

आपत्ति के बाद भी जारी है सिद्धू की रैलियां

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पंजाब कांग्रेस के भीतर संकट और गहरा गया जब पार्टी ने पूर्व विधायक महेशिंदर सिंह और उनके बेटे धर्मपाल को पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू के लिए मोगा में एक रैली आयोजित करने के कुछ घंटों बाद ष्पार्टी विरोधी गतिविधियोंष के लिए नोटिस जारी किया। इस बीच, मोगा में एक और समानांतर रैली को संबोधित करते हुए, सिद्धू ने सीएम भगवंत मान को पंजाब के मुद्दों पर उनके साथ खुली बहस करने की चुनौती दी। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में इस समय भ्रष्ट नेताओं का शासन है।

सामने आई रामलला की मूर्ति, बाल रूप में मन मोह लेगी छवि

अयोध्या (एजेन्सी)। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूरा हो गया है। राम मंदिर में रामलला को विराजमान होते देखने का सपना 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद पूरा हो गया है। राम मंदिर में रामलला विराजमान हो गए है। रामलला को विराजमान होने से पहले अयोध्या नगरी को प्रभु के स्वागत के लिए खासतौर से सजाया गया था। रामलला अपने बाल स्वरूप में श्यामल पत्थर से तैयार दिख रहे हैं। इस मूर्ति में रामलला पांच वर्षीय बालक की तरह बेहद सौम्य रूप में नजर आ रहे है। उनके चेहरे पर दिल जीतने वाली मुस्कान दिख रही है। बता दें कि ये 51 इंच की मूर्ति बेहद खुबसूरत है, जिसका निर्माण मूर्तिकार अरुण योगीराज ने किया है। इसमें रामलला माथे पर तिलक लगाए दिख रहे है। उनकी इस छवि का निर्माण श्याम शिला से किया गया है, जो काले रंग की है। रामलला की मूर्ति भी इस पत्थर के कारण श्यामल है। जिस शिला से प्रभु की मूर्ति बनाई गई है उसके काले रंग का होने के कारण इसे कृष्ण शिला कहा जाता है। जिस पत्थर से इस मूर्ति का निर्माण हुआ है वो हजारों वर्षों तक ऐसा ही रहता है। इस पत्थर को जल, चंदन, रोली आदि से भी कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होता है। उनकी कोमल छवि के साथ ही बालत्व, देवत्व और राजकुमार की छवि देखने को मिल रही है। मूर्ति का वजन 200 किलोग्राम है। इसकी चौड़ाई तीन फीट की है। ये मूर्ति कमल दल पर खड़ी है। हाथ में सोने के तीर और धनुष भी बनाए गए है। रामलला की पहली मूर्ति की झलक उस समय सामने आई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र ने गर्भगृह में विधि विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा की। सोने के गहनों

और फूलों से सजी 51 इंच की रामलला की आलोकिक मूर्ति की तस्वीर ने देशवासियों का मनमोह लिया है। पहली बार सामने आई सुसज्जित तस्वीर में रामलला के सिर पर स्वर्ण मुकुट और गले में हीरे–मोतियों के हार है। कानों में सोने के कुंडल भी सुशोभित उन्होंने किए हुए है। हाथ में स्वर्ण से निर्मित धनुष बाण भी है।

दिल्ली में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का जश्न, भक्ति के रंग में नजर आए लोग

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए। पूरे विधि–विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसी बीच रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। शृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। दिल्ली के लोगों ने भी धूमधाम से जश्न मनाया। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। 500 वर्षों से अधिक का इंतजार खत्म हो गया है। दिल्ली के लक्ष्मी नगर में एक बच्चा रामलला के रूप में दिखा वहीं एक बुजुर्ग दादी सबरी की तरह उसे निहारती हुई नजर आई। सबर के बेर जैसा दृश्य नजर आया। सदर बाजार में 12 टूटी चौक पर अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर दिल्ली में भी व्यापारियों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

सम्पादकीय

इरान की घेराबंदी और पाकिस्तान

फिलिस्तीन में लगी आग दावानल का रूप ले रही है। इसकी चपेट में एशिया का बड़घ भूदृभाग आ सकता है। सबसे अधिक खतरा पश्चिम एशिया के तेल और गैस क्षेत्रों की सुरक्षा पर है। ईरान और पाकिस्तान के बीच मिसाइलों की झड़घ्प से संकेत मिलता है कि बहुत से देश जानेदृ अनजाने इसमें शामिल हो सकते हैं। ईरान और पाकिस्तान ने फिलहाल अपने संघर्ष को ठंडा करने में सफलता हासिल की हैॅ लेकिन बहुत से देश भविष्य में अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए इस संघर्ष को भड़घ्का सकते हैं। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष और खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख ने पिछले दिनों अमेरिका की यात्रा की थीॅ जिस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचारदृविमर्श किया था। प्रतीत होता है कि अमेरिका एक बार फिर पाकिस्तान को मोहरा बनाने की कोशिश में है। अमेरिका के रणनीतिक उद्देश्य इस्राइल से मेल खाते हैं। ऐसे समय में जब इस्राइल गाजा के दलदृदल में फंसा हुआ हैॅ ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका में खलबली मची हुई है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और अमेरिका में जो सहमति बनी थीॅ वह खंडिघ्त हो गई है और ईरान ने यूरेनियम को परिष्कृत करने का काम तेज कर दिया हैघ्। कुछ विश्लेषकों के अनुसार ईरान परमाणु बम बनाने के लिए आवश्यक परिष्कृत यूरेनियम हासिल करने के नजदीक है। उसे रोकने के लिए अमेरिका के पास कुछ ही हफ्तों का समय है। तनाव के इस माहौल में यह संभव नहीं लगता कि कूटनीति के जरिये ईरान को रोका जा सकता है। यही कारण है कि अमेरिका और इस्राइल ईरान की घेराबंदी करने की रणनीति अपना रहे हैं। इस काम में पाकिस्तान उनके लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। ईरान का मिसाइल हमला पाकिस्तान को यह चेतावनी देना भी हो सकता है कि वह अमेरिका और इस्राइल के खेल में शामिल न हो। इस बीच इस्राइल ने ईरान की रिव्यूलेशनरी गार्ड के अधिकारियों को निशाना बनाना शुरू किया है। सीरिया में रिव्यूलेशनरी गार्ड के कई सैन्य अधिकारी इस्राइल के हमले में मारे गए हैं। ईरान बदला लेने के लिए जवाबी कार्रवाई अवश्य करेगा। लेबनान में हिज्बुल्लाह और यमन में हूती सेना ईरान के दिशादृनिर्देशों पर हमले तेज कर सकती हैं। हूती सेना ने लाल सागर की लगभग नाकेबंदी कर दी है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की नौसेनाओं की तैनाती के बावजूद हूती जलयानों को निशाना बना रहे हैं। अधिकतर जलयान कंपनियों ने सतर्कता और सावधानी बरतते हुए लाल सागर का इस्तेमाल बंद कर दिया है। अब इन जलयानों को अफ्रीका महाद्वीप का चक्कर लगाते हुए यूरोप तक पहुंचना होगा। इसमें समय भी अधिक लगेगा और पैसे भी अधिक खर्च होंगे। यह चीन और भारत जैसे देशों के लिए भी चिंता का विषय हैघ्। फिलिस्तीन के लड़घकू संगठन हमास से १० गुना शक्तिशाली है हिज्बुल्लाह तथा हिज्बुल्लाह से १० गुना शक्तिशाली हूती सेना है। जहां तक ईरान का सवाल है वह सैन्य ताकत में इस्राइल के बराबर है। अंतर केवल इतना है कि इस्राइल के पास परमाणु हथियार हैं साथ ही उसे अमेरिका का परमाणु कवच भी हासिल है। ईरान के लिए यह एक चुनौती है। यही कारण है कि वह परमाणु हथियारों से लैस होने के लिए प्रयासरत है। कोई आश्चर्य नहीं होगा कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने में सफलता हासिल कर भी ली हो। यदि ऐसा होता है तो पूरे एशिया का शक्ति समीकरण बदल जाएगा। फिलहालॅ संघर्ष का नया मोर्चा लेबनान में खुल सकता है। हिज्बुल्लाह ने अब तक अपनी सैन्य कार्रवाई को सीमित रखा है। लेकिन इसके कारण इस्राइल को सैनिक लामबंदी करनी पड़घी है। इस्राइल में कई नेता प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जोर दे रहे हैं कि वह बिना देर किए हिज्बुल्लाह के खिलाफ युद्ध छेड़घ दें। कुछ सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस्राइल के लिए यदि गाजा दलदृदल है तो लेबनान उसके लिए जहन्नुम सिद्ध होगा। दुनिया में बड़ेघ संघर्ष के क्षेत्रों यूक्रेन और ताइवान के हालात इस समय नेपथ्य में चले गए हैॅ लेकिन जब कूटनीति को तिलांजलि देकर सैन्य संघर्ष को ही प्राथमिकता बना लिया जाए तो कहीं भी किसी भी समय युद्ध छिड़घ सकता है। भारत के लिए संतोष की बात यह है कि वह इन संघर्षों से दूर है। घ कुछ विश्लेषकों के अनुसार ईरान परमाणु बम बनाने के लिए आवश्यक परिष्कृत यूरेनियम हासिल करने के पास है। अमेरिका के पास कुछ हफ्तों का समय है।

राम राज्य जैसा शासन चाहते थे बोस

आज भी जिन परिवारों में पुराणों की कथाएं पढ़ीॅ सुनी और सुनाई जाती हैं उन परिवारों में अवतारों को लेकर गहरी दिलचस्पी है। ऐसी ही दिलचस्पी बचपन में नेताजी सुभाषचंद्र बोस को बचपन से हो गई थी। बडई होने पर उन्होंने धार्मिक व पौराणिक ग्रंथों के अलावा दूसरी तरह के धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया जिससे उनमें हिन्दू संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा पैदा हो गई थी। जब वे स्कूली शिक्षा हासिल कर रहे थे तब अपनी मॉॅ बडई भाईॅ मित्रों को भावुकता भरे पत्र लिखते थे। एक पत्र कटक से अपनी मां को लिखा था जिसमें उनकी भारतॉ भारत की महानताॉ राम और राम की महानता की गहरी अभिव्यक्ति दिखाई देती है। वे लिखते हैंदृघ आदरणीय मॉघ् भारत ईश्वर की प्रिय भूमि है। वह यहां लोगों के ज्ञान कॉ प्रकाश के लिएॉ पृथ्वी को पाप से मुक्त कराने के लिए और प्रत्येक भारतवासी के =दय में सत्य और न्यायोचितता की स्थापना के लिए बारंबार हर युग में रक्षक के रूप में जन्म लेता है। ईश्वर ने बहुत से देशों में मानव के रूप में जन्म लिया हैॅ पर भारत की जितनी बार नहीं। इसलिए मैं कहता हूं कि भारत हमारी भूमि और ईश्वर की प्रिय भूमि है।श वे अपनी मां को संबोधित करते हुए इसी पत्र में रामायण की पंचवटी का जिक्र करते हुए कहते हैंदृघ 'मॉॅ देखो यहां तुम जो चाहो मिला हैॅ जैसे भरपूर गर्मी का मौसमॉ भयानक जाडईॉ भारी वर्षा और मन जीतने वाला वसंत यानी जो आप चाहो। दक्षिण भारत में जब मैं गोदावरी को देखता हूॅ तब लगता है कि इसका निर्मल और पवित्र जल अपने तट से होता हुआ धीमेदृधीमे समुद्र की तरफ बढई रहा है। यह वाकई पवित्र नदी है। इसे देखकर किसी के भी मन में रामायण की पंचवटी की कथा सामने आ जाती हैदृ मैं अपने मन की आंखों में रामॉ लप्मण और सीता को गोदावरी के तट पर ईश्वरीय पक्ष के साथ पूर्ण आनंद में बैठा देखता हूॅ इन्होंने अपने संपूर्ण राज्य और संपत्ति का त्याग कर दियाॅ पर इनके संतुष्ट मुख पर किसी तरह की बेचौनी या सांसारिक दुःख का भाव नहीं है।श नेताजी का यह विचार उनकी भारत और भारतीयताॉ सांस्कृतिक और धार्मिक समझ को कुछ जरूर समझा सकता है। वे विश्व में शांति चाहते थॅ लेकिन पराधीन भारत को आजाद कराकर शांति और प्रेम की धारा को बहते हुए देखना चाहते थे। वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं तो भारत से दुर्दिन हटाने के लिए। वे न्यायॉ सत्यॉ अहिंसा और सहिणुता को भारत में फूल की तरह महकते देखना चाहते थे। अपनी मां को लिखे उनके पत्र का यह अंश तो यही बताता हैदृघ नेताजी लिखते हैंदृघ 'हे प्रभुॉ क्या हमारे पुरुत्थान के लिए नहीं आओगेघ यह आप की भी भूमि हैदृपर देखो प्रभुॉ आज यह किस स्थिति में हैघ कहां है वह शाश्वत धर्म जिसे आप के लोगों ने यहां स्थापित किया था। हमारे पूर्वज आर्यों ने जिस धर्म और राष्ट्र का निर्माण किया थाॅ वह इस समय खंडहर की स्थिति में है। हे दयालु ईश्वर! हमारी रक्षा करें।श घ ईश्वर के अवतार और भारत हित पर उन्होंने पत्र के माध्यम से अपनी मां को संबोधित करते हुए लिखादृ'यदि ईश्वर स्वेच्छा से मानव रूप का चयन करके पथ से विचलित अपने लोगों को न्यायोचित मार्ग पर लाने के लिए और शाश्वत धर्म सिद्धांत के माध्यम से प्रेरणा प्रदान करने के लिए जन्म लेता हैॅ तब इसमें दुःखी होने जैसा कुछ भी नहीं है क्योंकि इससे संसार का कल्याण ही होगा। वे लिखते हैंदृघ आदरणीय मॉघ् भारत ईश्वर की प्रिय भूमि है। वह यहां लोगों के ज्ञान कॉ प्रकाश के लिएॉ पृथ्वी को पाप से मुक्त कराने के लिए और प्रत्येक भारतवासी के =दय में सत्य और न्यायोचितता की स्थापना के लिए बारंबार हर युग में रक्षक के रूप में जन्म लेता है। ईश्वर ने बहुत से देशों में मानव के रूप में जन्म लिया हैॅ पर भारत की जितनी बार नहीं। इसलिए मैं कहता हूं कि भारत हमारी भूमि और ईश्वर की प्रिय भूमि है।श वे अपनी मां को संबोधित करते हुए इसी पत्र में रामायण की पंचवटी का जिक्र करते हुए कहते हैंदृघ 'मॉॅ देखो यहां तुम जो चाहो मिला हैॅ जैसे भरपूर गर्मी का मौसमॉ भयानक जाडईॉ भारी वर्षा और मन जीतने वाला वसंत यानी जो आप चाहो।

असली राम कौन हैं? निर्गुण, सगुण या कोई और

आचार्य प्रशांत

"निर्गुण सगुण दोऊ से न्यारा, कहें कबीर सो राम हमारा" निर्गुण हैं, न सगुण हैं, निर्गुण भी हम कहेंगे तो उन्हें अपने मन की कोई बात बना लेंगे अपनी छवियों में कैद कर लेंगे और सगुण कहेंगे तब तो हमने उनकी छवि खड़ी कर ही दी। न निर्गुण, न सगुण निर्गुण सगुण दोऊ से न्यारा, दोनों से अलग है। तो राम क्या है इसके लिए आपको हम ले चलते हैं उपनिषदों की ओर। मुक्तिका उपनिषद आरम्भ होता है– हनुमान जी श्रीराम से कह रहे हैं कि जीवन भर आपकी सेवा में लगा रहा और आपकी देह देखी है। आपका शरीर देखा है, आपकी लीलाएं देखी हैं अब मुझे अपना वो स्वरूप बताइए जो उच्चतम है, सत्य है, असली है और मुक्तिदायक है। पहला अध्याय और सातवां श्लोक मुक्तिका उपनिषद का– और श्रीराम कहते हैं कि हे हनुमान अगर तुम मेरी सच्चाई जानना चाहते हो तो सुनो। ष्मैं वेदांत में वास करता हूंष्। कहते हैं जो सचमुच मुझे जानने के इच्छुक होंगे वो वेदांत की ओर आएंगे नहीं, तो मेरे चार तल हैं। मेरे चार प्रकार हैं। इस बात पर आगे संतों ने और ज्यादा उसको विस्तृत रूप से बताया। ज्यादातर लोग जो नीचे के तीन तल हैं उसी में आरम्भ करके रुक जाते हैं। चार राम हैं जगत में, तीन राम व्यवहार। चौथे राम में सार है ताका करो विचार।। जो तीन राम हैं, व्यवहार माने जो हमारा आम कर्म है। जो व्रत होता है, आचरण है। उसमें हम नीचे के तीन रामों में ही सीमित रह जाते हैं। लेकिन संतों ने कहा है कि चौथे राम में सार है, उनका करो विचार। सार, असलियत, सच्चाई, मुक्ति तो चौथे राम में है। विचार उनका ही करना चाहिए। एक राम दशरत घर डोले, एक राम घट घट से बोले। एक राम का सकल पसारा, एक राम है सबसे न्यारा।।। ज्यादातर लोग यहीं से शुरुआत करते हैं– दशरथ के घर में जो राम हैं वो वहीं से शुरुआत करते हैं और शुरुआत करना अच्छी बात है पर वो वहीं पर रुक भी जाते हैं। आगे कहते हैं एक राम घट–घट से बोले, अब ये दूसरे तल के राम हो गए। एक राम में बोले मतलब प्रत्येक व्यक्ति के भीतर से जो चेतना। वो दूसरे राम हैं। जो वैयक्तिक चेतना है, वो दूसरे राम हैं। और एक राम का सकल पसारा। तीसरे राम हैं जो ये पूरा विस्तार है। जिसको हम कहते हैं ष्द आई टेंडेंसीष अहमवृत्ति वो तीसरे राम हैं। और कहते हैं लेकिन जो असली राम हैं वो इन तीनों से अलग है। न्यारे हैं और चौथा राम है सबसे न्यारा। यही जो चौथे राम हैं इन्हीं तक जाने के लिए श्री राम जी ने हनुमान जी को आदेश दिया कि अगर तुम सचमुच मुझे पाना चाहते हो तो जो चौथे राम हैं यही मुक्तिदाता हैं यही सत्य है। तुम इन तक जाओ। चौथे राम तक तो बात पहुंचनी बहुत जरूरी है। और जो सचमुच श्री राम के प्रेमी हों उन्हें वेदांत की ओर जाना ही पड़ेगा। वहां जाए बिना हम जो शिखर है वहां तक नहीं पहुंच सकते। जो लोग राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी नहीं हो पाए उन्हें दुखी नहीं होना चाहिए बल्कि और ऊंचाई पर जाने की कोशिश करनी चाहिए, पहले राम हैं उस तल तक नहीं पहुंच पा रहे उनके लिए ज्ञानियों ने कहा है "घट राम बसत है भाई, ज्ञान बिन नहीं देत दिखाई" राम तो हर जगह हैं, हर व्यक्ति में है। तुम्हें ज्ञान नहीं है इसलिए दिखाई नहीं दे रहे, तो अगर आप किसी विशेष स्थल पर नहीं पहुंच पा रहे हो तो दुखी मत हो "आतम ज्ञान जाहि घट होई, आतम राम को चीन्है सोई।" तुम आत्मज्ञान की तरफ चले जाओ, राम तुम्हारे भीतर ही हैं और हर जगह हैं। ज्ञान की कमी के कारण तुम्हें दिखाई नहीं दे रहे है। तुम्हें कमी फिर यात्रा की नहीं है स्वयं को न जानने की। आत्मज्ञान, किसी साधारण ज्ञान की बात नहीं कर रही है, कहा जब आत्मज्ञान होता है तो आत्म राम भी दिखाई दे जाते है। और देखिये धर्म का पूरा क्षेत्र आत्मज्ञान के लिए ही है, स्वयं को जानने के लिए ही है। और ज्ञानियों ने भी संतों ने भी बार–बार यही कहा है "कस्तूरी कुंडल बसे मृग ढूंढे तो बन माहि, ऐसे घट घट राम है दुनिया जानत नहीं"। अरे, जिनको तुम खोज रहे हो तुम्हारे भीतर ही वास करते हैं और अगर स्वयं में नहीं पा रहे तो कहीं भी नहीं पाओगे जैसे जो कस्तूरी मृग है, उसकी जो पूरी बात चलती है। वो चीज है जिसके लिए जीवन भर भटकता है पर जहां है वहां नहीं कभी देखता और वहां नहीं देखेगा तो भटकता रह जाएगा पाएगा कुछ नहीं। तो वैसे ही घट घट राम हैं दुनिया जानत नाहिं। खोजना तो वही पड़ेगा बाकी कहीं खोजने से शुरुआत हो सकती है अंत नहीं हो सकता। जैसा मैंने अभी तक आपसे कहा मेरे लिए तो मंदिर का आशय होता है। हर वो स्थान जहां पर जाकर मन बिल्कुल शुद्ध हो जाए। और सबसे महत्वपूर्ण तो भीतर का मंदिर होता है। मन को मंदिर बनाना ही सबसे जरूरी बात है। मन मंदिर बन गया तो जीवन सार्थक है और मन मंदिर नहीं बना तो जीवन निरर्थक है। बहुतों को यह लगता है कि किसी जगह में कुछ खास है। और खास होने के नाते बहुत लोग वहां पर पहुंच जाते हैं। जो नहीं पहुंचते उनका भी तर्क वही है। बस विपरीत दिशा में काम कर रहा है। वो कह रहे हैं हम नहीं पहुंचेंगे। उनके पास अपने कुछ तर्क होंगे मैं बस ये कहना चाहता हूं की जितने भी तर्क जितने भी तरह के लोगों के पास है अगर वो आत्मज्ञान जनित नहीं है, तो कुतर्क हैं। कोई तर्क काम नहीं करता अगर वो ज्ञान के आधार से खड़ा नहीं हो रहा है और अभी मीडिया में जो बहसे चल रही है इस तरफ से उस तरफ हर तरफ से उनमें आत्मज्ञान कहीं पर भी नहीं है। कोई इधर जाए, कोई इधर को जाए, कोई उधर को, कोई विशेष अंतर है नहीं किसी में। सब एक ही तरह के चल रहे हैं। एक बात समझना जरूरी है कि भक्ति प्रेम से संबंधित होती है, भाव से नहीं। हम बहुत बार सोच लेते हैं और लोक संस्कृति में ऐसा बहुत बार कह भी दिया जाता है। बड़े माननीय जगहों से कई बार कह दिया जाता है कि भक्ति तो भाव है। भक्ति भाव नहीं है। भाव मार्ग नहीं होता, प्रेम मार्ग होता है, भक्ति प्रेम है। प्रेम में और भाव में बड़ा अंतर होता है। भाव तो एक मूर्छा में भी आ सकता है, चेतना बेहोश पड़ी हो भाव तो तब भी उठ सकता है। अक्सर प्रेम को भी एक भावना समझ लेते हैं। प्रेम भावना नहीं होता, प्रेम भावना से बहुत आगे की बात होती है। तो जो भक्ति मार्ग है वो प्रेम का मार्ग है। बच्चे को हमें प्रेम तक ले जाना है मात्र भाव तक नहीं। बच्चे को आप भाव तक ले जाएंगे तो वो अपनी निचली वृत्तियों का जीवन भर गुलाम होकर रह जाएगा, इमोशनल हो जाएंगा। और ये जो इमोशनल रिएक्टिविटी होती है, भावनात्मक प्रिया प्रतिक्रियात्मकता, ये जिंदगी का बोझ जहर जैसी बन जाती है कि किसी ने कुछ करा और तुरंत भावुक हो गया। जब आप भावुक हो जाते हो तो उसमें कुछ प्रतिक्रिया भी कर देते हो। और उसी से फिर दुनिया भर के सारे फसाद होते हैं। उससे हमें बचना है। हमें प्रेम सीखना है। प्रेम और भाव एक बात नहीं होते। प्रेम में चेतना की ऊंचाई होती है और भाव तो बिना चेतना के भी आ सकता है। हमारी कोशिश है सब में प्रेम जाग्रत हो इसलिए मैं आपसे बात कर रहा हूं और अगर हम कोशिश कर रहे हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि लोगों में प्रेम जाग्रत हो इसका मतलब यह है कि प्रेम तक पहुंचना तो अभी बाकी है न! आप अगर आज के भारत को देखेंगे तो ये ये नाम हैं जो हमारी चेतना के आराध्य हैं– राम, कृष्ण, शिव। तीनों का ही सीधा–सीधा संबंधा वेदान से है। श्रीमत भगवत गीता तो वेदांत की प्रस्थान त्रयी का एक महत्त्वपूर्ण स्तम्भ है ही उसे उपनिषदों का सार कहते हैं। मुक्तिका उपनिषद में श्रीराम क्या कहते हैं उसका भी मैंने उल्लेख किया इसी तरह वेदांत पूरा हो ही नहीं सकता जब तक उसमें शिवत्व न आए। कितने ही उपनिषद हैं जो महादेव को समर्पित हैं जिन्होंने अद्वैत वेदांत को भारत में पक्का खड़ा कर दिया आदि। शंकराचार्य उनका अगर आप निर्माण शतकम सुनेंगे तो कहते हैं शिवो हम से वो। हम तो ये तीनों राम, कृष्ण, शिव तीनों ही बार–बार बार–बार हमसे आग्रह कर रहे हैं अपनी ऊंचाइयों पर बैठ कर। हम नीचे वालों को कह रहे हैं तुम वेदांत की ओर जाओ। और जब आप वेदांत की ओर जाते हो आपके भीतर कुछ ऐसा आ जाता है जिसे चोट लग नहीं सकती। आत्मा को कहा जाता है खंड आत्मा चोट नहीं खाती। आत्मा को कहा जाता है अजेय अवयव जिसके हिस्से नहीं हो सकते अटूट जिसको कोई आ कर के कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता तो किया होगा किसी ने कुछ किया होगा तीत में। अगर हम सचमुच धार्मिक हैं तो हमारे भीतर एक फौलाद पैदा हो जाता है जो घाव नहीं खाता बाहर–बाहर चोट लग सकती है भीतर से फिर हम आहत नहीं होंगे और अगर मैं कहूं कि मैं धार्मिक हूं और अपने भीतर चोट और जख्म लेकर के घूम रहा हूं तो इसका मतलब है की अभी मेरे अध्यात्म में गहराई आनी शेष है। कोई बाहर से आए, भीतर से आए, कहीं से आए, किसी दूसरे देश से आए, किसी दूसरे द्वीप से आए या अपने घर के भीतर से आए या वो स्वयं आप भी हो सकते हैं जो अपने आप को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये सब हो सकता है यह संयोग की बात होती है सहयोगों पर। किसी का कोई बस नहीं चलता है। अभी यहां पर भूकंप आ जाए आप भी गिरेंगी मैं भी गिरुंगा, हम क्या कर सकते है भूकंपों का पर हमारा गिरना हमारी देह का गिरना होना चाहिए हमें चोट लगे तो सर फट सकता है कोनी टूट सकती ये सब। हो गया कोई बात नहीं भीतर। हमारे कुछ। ऐसा शिव होना चाहिए कि कुछ हो जाए उस पर खरोच न आए और अगर वो नहीं है हमारे भीतर तुम कहां के धार्मिक हो गए हम कब तक यही कहते रहेंगे कि चोट लग गई मार खा गए ऐसा हो गया वैसा हो गया इतिहास है इतिहास को पकड़ कर। वेदांत मार्ग कम लोगों को पता है इसीलिए है क्योंकि वो अहंकार को सीधी चुनौती देता है। और बहुत सारे दूसरे हमने ऐसे मार्ग विकसित कर लिए हैं देखिये जिनमे अहंकार किसी तरीके से कहीं कोना पा करके सुरक्षित रह जाता है। और कुछ तो ऐसे दूषित मार्ग भी हम आविष्कृत करते रहते हैं जिसमें अहंकार और फूल–फूल के मोटा हो जाता है। वेदांत जनमानस में प्रचलित इसलिए नहीं हो पाता क्योंकि उसके सामने जो हमारी गंदगी। हमारी बीमारी है जो रोग है हमारा अहंकार उसको छुपने की जगह नहीं मिलती तो इसीलिए वेदांत जो है वो फिर आम लोग उसको इतना सीधे सीधे स्वीकार नहीं करते लेकिन अगर हम भक्ति मार्ग को स्वीकार करते हैं। अभी हम जिन जिन दोहों की चौपाइयों की बात कर रहे हैं वो सब के सब वेदांत से ही तो आ रहे हैं तो हम भले ही वेदांत को सीधे सीधे स्वीकार करें लेकिन वेदांत पानी की तरह है। आप जो कुछ भी पिएंगे उसमे पानी मौजूद होता है आप कुछ भी कहीं में शर्बत पी रहा हूं पानी तो वहां भी है। और बिना वेदांत के जल के। कुछ भी। ऐसा बन नहीं सकता। जो आपकी प्यास बुझा दे तो वेदांत तो ले दे के हर जगह है ही। मौजूद। रामचरित मानस की। हम इतनी बात करते हैं पूजनीय ग्रंथ हैं राम ब्रह्म परमारथ रूपा लो राम ब्रह्म हो गया न आग वेदांत तो भले ही।

आप कहीं भी जाएं तो अब संतों को भी क्या कहा है श्री राम के लिए कह रहे हैं कि "राम ब्रह्म परमारथ रूपा अविगत अविगत अचल अनादि अनुपा" अविगत अनादि अनूपा और आगे की सकल विकार रहित गत भेदा अब अगली अगला सुनिए क्या कह रहे हैं "कहीं नेति नेति निरूपहीं वेदा" तो वेदों ने माने वेदांत ने जिनको नेति नेति करके निरूपित कराया वो राम ही तो हैं तो आपको राम की और भी अगर जाना है।

मेरे चार प्रकार हैं। इस बात पर आगे संतों ने और ज़्यादा उसको विस्तृत रूप से बताया। ज्यादातर लोग जो नीचे के तीन तल हैं उसी में आरम्भ करके रुक जाते हैं। चार राम हैं जगत में, तीन राम व्यवहार। चौथे राम में सार है ताका करो विचार।। जो तीन राम हैं, व्यवहार माने जो हमारा आम कर्म है। जो व्रत होता है, आचरण है। उसमें हम नीचे के तीन रामों में ही सीमित रह जाते हैं। लेकिन संतों ने कहा है कि चौथे राम में सार है, उनका करो विचार। सार, असलियत, सच्चाई, मुक्ति तो चौथे राम में है। विचार उनका ही करना चाहिए। एक राम दशरत घर डोले, एक राम घट घट से बोले।

जीवन में सफल होने के लिए अच्छे लोगों की संगत करें

वि मान ने बैंकॉक से कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह के लिए उड़ान भरी थी। अचानक निरुपमा मेनन राव– जो विदेश मंत्रालय में कार्यरत थीं– मेरे पास आकर खड़ी हुईं और मुस्कराते हुए सबसे पूछा– ष्क्या कोई माननीय प्रधानमंत्री जी से मिलना चाहता है?श भला कौन नहीं कहता? जब सभी ने हां कहा तो मैंने अपना हाथ उठाया। राव ने मुझसे पूछा, ष्आपको कुछ और चाहिए?श मैंने कहा, ष्क्या मेरे पास वॉशरूम जाकर आने का समय है?श उन्होंने कुछ नहीं कहा और मुझे वह रास्ता दिखाया, जिस तरफ वॉशरूम था। उन्होंने कहा, ष्अगले दस मिनट में प्रधानमंत्री मुलाकात के लिए तैयार रहेंगे, इसलिए जल्दी होकर आएं। जब मैं लौटा तो मेरे बैठने के लिए एक भी कुर्सी नहीं थी और सभी पर दूसरे अखबारों के मेरे सहकर्मी विराजित थे। मैंने राव की ओर मायूस नजर से देखा और संभवतः उन्होंने उसका मतलब समझ लिया होगा कि मैंने वॉशरूम जाने से पहले आपकी अनुमति मांगी थी तो आप मेरे लिए एक सीट रिजर्व कर सकती थीं। उन्होंने मुझे करीब आने का इशारा किया और कान में फुसफुसाईं, ष्अगर आपको नीचे बैठना पड़े, प्रधानमंत्री के कदमों में, तो आप राजी होंगे?श मैं रोमांचित था। मैंने अपने भाग्य को सराहा। मैं पैर मोड़कर बैठा ही था कि चंद ही सेकंड के भीतर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अंदर आए। मैंने खुद से कहा, ष्घु, तुम पहले ही अपने पोर्टेबल टेप रिकॉर्डर पर उनके भाषण और सवाल–जवाब के सत्र को रिकॉर्ड कर रहे हो, इसलिए बाकी चीजों पर ध्यान केंद्रित करो। मूर्खतापूर्ण प्रश्न पूछो। यदि तुम्हारे पास बुद्धिमत्ता है तो भी उसका प्रदर्शन न करो, क्योंकि प्रधानमंत्री तुमसे कहीं अधिक बुद्धिमान हैं। चूंकि मैं इकलौता ऐसा था, जो प्रधानमंत्री की कुर्सी से मात्र दो इंच की दूरी पर बैठा था, इसलिए कई बार उनकी नजरें मुझसे मिलीं। वे आंखें पढ़ना जानते थे। कवि जो थे। मैंने उनसे मूर्खतापूर्ण सवाल पूछे और वे हंस पड़े। उनकी हंसी का एक बेहतरीन गुण था, उसमें निहित एम्पैथी (समानुभूति)। उन्होंने पूछा मैं कहां से हूं और जब मैंने तमिलनाडु कहा तो उन्होंने बताया कि कैसे तमिलनाडु के मदुरै से लोग कंबोडिया चले गए थे। दुनिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर अंकोरवाट के बारे में उनके ज्ञान ने मुझे चकित कर दिया। परेशान करने वाले प्रश्नों का भी उन्होंने सहानुभूति के साथ जवाब दिया। उनकी मुस्कराहट और उनके जवाबों में व्यंग्य, शरारत, हाजिरजवाबी थी, और उनके द्वारा सावधानी से चुने जाने वाले शब्द कविता की तरह थे। हालांकि मुझे उसके बाद उनसे कुछ और अवसरों पर मिलने का मौका मिला, लेकिन उस दिन के बाद से मैं जो कुछ भी करता हूं, एक गुण के रूप में एम्पैथी पर सचेत होकर ध्यान केंद्रित करता हूं। मुझे इस घटना की तब याद आई, जब मैंने ष्मैं अटल हूंश फिल्म की समीक्षा पढ़ी। उसमें कहा गया था कि पंकज त्रिपाठी ने वाजपेयी के रूप में बिलकुल सटीक अभिनय किया है। अपने पेशे के कारण मुझे फिल्मी सितारों से मिलने के कई अवसर मिले हैं, इसके बावजूद मैंने कभी उत्साही प्रशंसक की तरह किसी स्टार से मिलने की पहल नहीं की। लेकिन दो हफ्ते बाद जब मैं मुम्बई लौटूंगा तो पंकज त्रिपाठी से मिलने की कोशिश करूंगा। इसका कारण है। जब आप निष्ठा और ईमानदारी, सहानुभूति और गम्भीरता वाले प्रतिष्ठित, शिक्षित और रचनात्मक लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की कोशिश करते हैं, तो इन गुणों का कुछ प्रतिशत आपके जाने बिना ही आपमें भी प्रविष्ट हो जाता है। और अगर आप निरंतर ऐसा करते रहें, तो यकीन मानिए परिपक्व होने पर अलग ही व्यक्ति होंगे। मैं यह जानकर मुग्ध होना चाहता हूं कि अटलजी के जीवन का चित्रण करते समय त्रिपाठी ने अपने जीवन में किन गुणों को आत्मसात किया होगा। राव ने मुझसे पूछा, ष्आपको कुछ और चाहिए?श मैंने कहा, ष्क्या मेरे पास वॉशरूम जाकर आने का समय है?श उन्होंने कुछ नहीं कहा और मुझे वह रास्ता दिखाया, जिस तरफ वॉशरूम था। उन्होंने कहा, ष्अगले दस मिनट में प्रधानमंत्री मुलाकात के लिए तैयार रहेंगे, इसलिए जल्दी होकर आएं। जब मैं लौटा तो मेरे बैठने के लिए एक भी कुर्सी नहीं थी और सभी पर दूसरे अखबारों के मेरे सहकर्मी विराजित थे। मैंने राव की ओर मायूस नजर से देखा और संभवतः उन्होंने उसका मतलब समझ लिया होगा कि मैंने वॉशरूम जाने से पहले आपकी अनुमति मांगी थी तो आप मेरे लिए एक सीट रिजर्व कर सकती थीं। उन्होंने मुझे करीब आने का इशारा किया और कान में फुसफुसाईं, ष्अगर आपको नीचे बैठना पड़े, प्रधानमंत्री के कदमों में, तो आप राजी होंगे?श मैं रोमांचित था।

हम सबके राम : वनवासियों और वंचितों के नायक श्री राम

चर्चा में कलाकारो ने बड़े गर्व से बताया कि राम हमारे आदर्श ही नहीं हमारे पूर्वज भी हैं। पूजा पद्धति बदलने से पुरखे नही बदलते और न ही सामाजिक–राष्ट्रीय प्रतिमान। राजनैतिक आक्रमण के साथ हुए सांस्कृतिक हमलों में इतिहास और संस्कृति भी नष्ट कर दी गई इसलिए साक्ष्य एकत्रित करना उन्हें वैज्ञानिक रूप से साबित करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सम्पूर्ण भारतीय प्रायद्वीप में श्री राम के प्रति श्रद्धाभाव देखा जा सकता है। कंबोडिया, बांग्लादेश, भूटान, बाली, सुमात्रा, थाईलैण्ड, मलेशिया, लाओस आदि देशों में प्रभु श्री राम वैसे से ही आराध्य है जैसे भारत, नेपाल पाकिस्तान और श्रीलंका में। राम वनवासियों एंव वंचितों के नायक हैं। अयोध्या से वनगमन करते हुए उन्होंने कंटकाकीर्ण मार्ग चुना। राम की सरलता ये है कि केवट से नदी पार करवाने हेतु याचना करते हैं और नदी पर करवाने पर कृतज्ञता भाव से उसे गले लगाते हैं।

फग्गन सिंह

राम वनवासियों एंव वंचितों के नायक हैं। राम की सरलता ये है कि केवट से नदी पार करवाने हेतु याचना करते हैं और नदी पर करवाने पर कृतज्ञता भाव से उसे गले लगाते हैं। शबरी के जूठे बेर खाकर भाव विभोर हो जाते हैं। राम पहले नायक हैं जिन्होंने धार्मिक और सामाजिक स्तर पर अखण्ड भारत के सम्पूर्ण दलितों एवं आदिवासियों को एकजुट किया। प्रभु श्री राम हमारे भगवान, भारतीय संस्कृति के आधार पुरुष और मनुष्य को मर्यादित जीवन की सीख देने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। आज सिर्फ भारत नहीं पूरी दुनिया राममय है। हमारे राम, सबके राम और सबके दाता राम आ रहे हैं। होश संभालने से लेकर सार्वजनिक जीवन में जब–जब प्रभु श्री राम को समझने की कोशिश की है मुझे लगा कि श्री राम सबसे पहले वंचितों, दलितों और वनवासियों के राम हैं। निषाद राज से लेकर शबरी तक और किष्किंधा में वनवासियों तक सबका कल्याण अवधा नरेश राम ही करते हैं। पिछले दिनों सूरत मे एक समारोह में मुझे इंडोनेशिया के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रामलीला देखने का सौभाग्य मिला। मुस्लिम कलाकारों द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुति देखकर मन मंत्रमुग्ध हो गया। चर्चा में कलाकारो ने बड़े गर्व से बताया कि राम हमारे आदर्श ही नहीं हमारे पूर्वज भी हैं। पूजा पद्धति बदलने से पुरखे नही बदलते और न ही सामाजिक–राष्ट्रीय प्रतिमान। राजनैतिक आक्रमण के साथ हुए सांस्कृतिक हमलों में इतिहास और संस्कृति भी नष्ट कर दी गई इसलिए साक्ष्य एकत्रित करना उन्हें वैज्ञानिक रूप से साबित करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सम्पूर्ण भारतीय प्रायद्वीप में श्री राम के प्रति श्रद्धाभाव देखा जा सकता है। कंबोडिया, बांग्लादेश, भूटान, बाली, सुमात्रा, थाईलैण्ड, मलेशिया, लाओस आदि देशों में प्रभु श्री राम वैसे से ही आराध्य है जैसे भारत, नेपाल पाकिस्तान और श्रीलंका में। राम वनवासियों एंव वंचितों के नायक हैं। अयोध्या से वनगमन करते हुए उन्होंने कंटकाकीर्ण मार्ग चुना। राम की सरलता ये है कि केवट से नदी पार करवाने हेतु याचना करते हैं और नदी पर करवाने पर कृतज्ञता भाव से उसे गले लगाते हैं। शबरी के जूठे बेर खाकर भाव विभोर हो जाते हैं। राम पहले नायक हैं जिन्होंने धार्मिक और सामाजिक स्तर पर अखण्ड भारत के सम्पूर्ण दलितों एवं आदिवासियों को एकजुट किया। मतंग, केवट, शबरी ,सुग्रीव, जटायु वाल्मीकि, हनुमान, भारद्वाज वशिष्ट को वर्तमान व्यवस्था में दलित, आदिवासी उच्च और निम्न माना जाता है किन्तु राम सबके पिता सामान थे। आदिवासियों के नायक राम 14 वर्ष अहर्निश वन–भ्रमण कर वंचित जनजातीय समाज के बीच उन्हीं की तरह रहे। एक सर्वशक्तिमान राजपुत्र का यह आचरण ही उन्हें वंदनीय बनाता है। वो ऋषि अत्रि से मिलने सदूर दण्डकारण्य गये तो शबरी से मिलने वर्तमान गुजरात के आदिवासी क्षेत्र डांग भी गए। वो किष्किंधा भी गए और चित्रकूट भी गए। इस बीच कितने ही राजा महराजा थे लेकिन राम वनवासियों को संगठित करते रहे। उन्होंने 14 साल के वनवास में कभी किसी राज सिंहासन से मदद नहीं ली। राम हमेशा वंचितों दलित और वनवासियों को एकजुट करके सबका कल्याण करते रहे। इन्हीं के सहयोग से कालजयी रावण का संहार किया। इसलिए राम वानवासियों के गीतो में हैं उनके कथानकों में हैं, उनके जीवन में हैं और उनके मन हैं। राम के जीवन चरित्र में एक संदेश है कि नायक सभी वर्गो का होता है। समाज का कल्यणकर्ता होता है। राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं क्योकि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में विचलित हुए बिना सीमित संसाधनों से बड़े लक्ष्य को हासिल करना सिखाया। मुझे गर्व है 40 वर्ष के सक्रिय राजनैतिक जीवन में मैंने उस दल में कार्य किया है जिसका लक्ष्य रामराज्य है। नहि दरिद्र, कोउ दुखी न दीना, नही, कोउ अबुधा न लच्छन होना।

सब नर करहि परस्पर प्रीति चलहि स्वधर्म, निरत श्रुति नीति।। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी मूलमंत्र को मानते हुए वंचित वर्ग के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और सम्मान पूर्वक जीवन जीने के अधिकार को सुनिश्चित किया है। रावण से युद्ध में विजय का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए वनवासी–आदिवासियों बंधुओं के साथ भारत के दक्षिणी छोर में जाकर हमारे बड़ देव (महादेव) की स्थापना करने वाले मर्यादापुषोतम राम का उनकी जन्मभूमि में भव्य मंदिर बनना हम आदिवासियों के लिये किसी सपने पूरा के होने के समान है। चर्चा में कलाकारो ने बड़े गर्व से बताया कि राम हमारे आदर्श ही नहीं हमारे पूर्वज भी हैं। पूजा पद्धति बदलने से पुरखे नही बदलते और न ही सामाजिक–राष्ट्रीय प्रतिमान। राजनैतिक आक्रमण के साथ हुए सांस्कृतिक हमलों में इतिहास और संस्कृति भी नष्ट कर दी गई इसलिए साक्ष्य एकत्रित करना उन्हें वैज्ञानिक रूप से साबित करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सम्पूर्ण भारतीय प्रायद्वीप में श्री राम के प्रति श्रद्धाभाव देखा जा सकता है। कंबोडिया, बांग्लादेश, भूटान, बाली, सुमात्रा, थाईलैण्ड, मलेशिया, लाओस आदि देशों में प्रभु श्री राम वैसे से ही आराध्य है जैसे भारत, नेपाल पाकिस्तान और श्रीलंका में।

प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे दिन भारी संख्या में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भारी संख्या में सुरक्षा कर्मी राम जन्मभूमि परिसर के आसपास तैनात

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक दिन बाद पहली सुबह मंगलवार को प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी ।लाखों की संख्या में रामलला के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालू अपने आराध्य के दर्शन को आतुर व काफी उत्साहित दिखाई दे रहे थे ।इस मौके पर श्रद्धालुओं के जैन सैलाब इतना अधिक था कि कमिश्नर गौरव दयाल ने आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार, डीएम नीतीश कुमार व एसएसपी राज करन नय्यर के साथ खुद मोर्चा संभाला ।इस मौके पर दूर दराज से यहां तक कि आसपास के जिलो से आये लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं से वे अपील करते हुए दिखाई दे रहे थे कि पुलिस आपकी मित्र है और आप हमारे अतिथि है। पुलिस आप सभी को सुगमता व शांतिपूर्वक राम लला का दर्शन करायेगी ।बस आप लोग धैर्य व संयंम का बनाये रखे ।सुरक्षा की दृष्टि पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी ।अयोध्या में मंगलवार को भीड़ की संख्या को देखते हुए जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने आधा दर्जन से अधिक मजिस्ट्रेटों की अगले आदेश तक तैनात किये है। अयोध्या में जगह जगह पुलिस चार पहिया वाहनों पर रोक लगा दी है ।सिर्फ पैदल ही श्रद्धालुओं को राम जन्मभूमि की ओर जाने दिया जा रहा है। साकेत महाविद्यालय, टेढ़ी बाजार सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ, पीएसी के अलावा भारी संख्या में महिला व पुरुष के साथ साथ स्थानीय अभिसूचना इकाई के कर्मी मौजूद रहे ।जो भीड़ को नियंत्रित करते हुये दिखाई दे रहे थे ।इस मौके पर मुंबई से अपने परिवार के साथ दर्शन के लिए पहुंची एक महिला श्रद्धालु ने कहा, हम यहां तीन दिन से रुके हुए हैं, दर्शन करके ही जाएंगे ।वहीं, एक अन्य श्रद्धालु ने कहा किये भीड़ सदा रहेगी और रहनी भी चाहिए। भारत धर्म की भूमि है ।बता दें, कि सोमवार की दोपहर 12रू29 मिनट पर रामलला की श्यामवर्णी प्रतिमा भव्य नव्य मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठित हुई। यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूजन–अर्चन के दौरान भाव–विह्वल दिखे ।स्वर्ण आभूषणों से सज्जित रामलला का यह विग्रह चित्त को आकर्षित करने वाला था ।गर्भगृह में रामलला विराजमान का पूजन हुआ। रजत चल प्रतिमा की भी प्रतिष्ठा हुई। इस बीच श्यामवर्णी रामलला का नामकरण संस्कार हुआ ।अब रामलला बालक राम के रूप में जाने जाएंगे।

24 से 28 जनवरी तक श्री राम सनातन महोत्सव (धर्म संसद) का होगा आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सनातन महासभा द्वारा आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में धर्म संसद के प्रभारी देवेन्द्र शुक्ल ने बताया कि लक्ष्मण मेला मैदान, निशातगंज पुल के नीचे, लखनऊ में 24 जनवरी से 28 जनवरी तक श्री राम सनातन महोत्सव (धर्म संसद) का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पूज्य शंकराचार्य (बद्रिकाश्रम), कामदगिरि पीठाधीश्वर जगद्घ्गुरु रामस्वरूपाचार्य जी महाराज, अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक तथा सनातन धर्म के पुरोधा ठाकुर देवकीनंदन, इरकान मन्दिर लखनऊ के अध्यक्ष पूज्य अपरिमेय श्यामदास जी महाराज सहित अयोध्या, काशी, हरिद्वार मथुरा, वृंदावन, नैमिषारण्य, चित्रकूट एवं अन्य प्रांतों के संत–महंत उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डा. प्रवीण ने बताया कि सनातन महोत्सव में सभी के लिए स्वास्थ्य मेला, रोजगार मेला, जनसमाधान शिविर, खादी ग्रामोउद्योग, आयुष विभाग, बैंक आदि के शिविर होंगे! स्वास्थ्य मेला में देहदान /अंगदान / रक्तदान शिविर, जांच शिविर, कैंसर, हृदय, शुगर, न्यूरो, मानसिक रोग आदि के डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे! साथ में विभागीय शिविर जैसे बिजली, एल०डी०ए०, नगर निगम, पुलिस आदि के लिए प्रयास किया जा रहा है! रघुकुल शक्तिपीठ ध रामानन्द फाउन्डेशन के पीठाधीश्वर ध अध्यक्ष आदरणीय आनन्द महाराज ने अवगत कराया कि धर्म संसद में बागेश्वर धाम के आदरणीय धीरेंद्र शास्त्री जी, पूज्य श्री राघवाचार्य जी महाराज, पूज्य श्री रसिक पीठाधीश्वर जन्मेजा शरण जी महाराज बड़ा स्थान जानकी घाट श्री धाम अयोध्या आदि देश के विभिन्न पीठों के साधु–सन्तों को भी आमंत्रित किया गया है। सह संयोजक रामकिशोर शुक्ल व शैलेन्द्र श्रीवास्तव, एड० जी ने कहा कि कार्यक्रम में कुछ राजनेताओं के भी उपस्थित रहने की सम्भावना है जिसमें रक्षा मंत्री भारत सरकार एवं लखनऊ के सांसद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह , उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह , महिला व बाल पुष्टाहार मंत्री डॉ० प्रतिभा शुक्ल, एमएलए पंकज सिंह , एमएलसी मुकेश शर्मा , भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी , महापौर सुषमा खर्कवाल आदि प्रमुख हैं! सह संयोजक रवि कचरू ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि लखनऊ में इस तरह का यह पहला कार्यक्रम है जिसमें 5 दिनों तक सनातन धर्म के विस्तार के लिए धर्माचार्यों द्वारा विचार विमर्श करके प्रस्ताव पारित किए जाएंगे! महोत्सव की व्यवस्था देख रहे प्रमुख सोमेश सिंह व डा. विजय मिश्र ने महोत्सव में लगने वाले विभिन्न स्टालों के विषय में बताया कि बहुत ही कम मूल्य पर महोत्सव में स्टाल उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसमें भारतीय खान पान, वेशभूषा को ही स्थान दिया जाएगा! महोत्सव की व्यवस्था देख रहे सुशील निषाद एवं कौशिक बनर्जी ने कहा कि इस अवसर पर एक लघु पत्रिका भी प्रकाशन किया जा रहा है। सी. पी. अवस्थी, डा. आहुति बाजपेयी, डा. शशि मिश्रा, गिरीश चन्द्र जोशी, अनूप, श्रीमती नीलिमा त्रिपाठी कोमल द्विवेदी, अमित दीक्षित, रमेश चन्द्रा आदि पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस की व्यवस्था मीडिया प्रभारी अर्जुन द्विवेदी, हरीश तिवारी एवं आरती शुक्ला ने की।

देश के निर्माण और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका

भारतीय श्रमिकों को इजराइल में सेवायोजित किये जाने से भारत और इजराइल के सम्बन्धों का नया अध्याय शुरूरूमंत्री अनिल राजभर

प्रदेश के श्रमिकों के लिए ये सुनहरा अवसर है, इसमें पूरी तरह समर्पित होकर करें कार्य

लगभग 10 हजार भारतीय श्रमिकों को इजरायल में कार्य करने का मिल रहा अवसर: मंत्री कपिल देव अग्रवाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत इजराइल में भारतीय श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित स्किल टेस्ट कार्यक्रम में प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने मुख्य अतिथि के रूप में और व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय आईटीआई, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

श्रम मंत्री ने कहा कि देश के निर्माण और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री श्रमिकों के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनकी प्रेरणा से श्रमिकों की स्थिति बेहतर बनाने के लिए निरन्तर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय श्रमिकों को इजराइल में सेवायोजित किये जाने से भारत और इजराइल के सम्बन्धों का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। इससे दोनों देशों के सम्बन्ध और गहरे होंगे।

श्रम मंत्री ने कहा कि इजराइल को नवनिर्माण कार्य के लिए कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है। यह भारतीय श्रमिकों के लिए बहुत बड़ा अवसर है। उन्होंने सभी श्रमिकों से अपील की कि जिनका भी चयन हो जायेगा, वे पूरे मनोबल के साथ इजराइल जाकर मेहनत और लगन से कार्य करें। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की स्थिति को सुधारने और अधिक बेहतर बनाने के जितने विकल्प हो सकते हैं, उन सभी पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप के देशों में भारतीय श्रमिकों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के आने–जाने में कोई समस्या न हो, उनकी सभी जरूरतों को ध्यान में रखा जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कम ब्याज पर ऋण भी उपलब्ध कराया जायेगा।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश के युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दिन ही निर्माण श्रमिकों को इजरायल देश मे रोजगार देने का कार्यक्रम किया जा रहा है। इजराइल सरकार एवं भारत सरकार के मध्य हुई अनुबन्ध के अन्तर्गत शटरिंग कारपेन्टर, आयरन वेन्डिंग, सेरेमिक टाईलध्प्लास्टरिंग के क्षेत्र में 10 हजार प्रशिक्षित श्रमिको को इजराइल भेजने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इजराइल में श्रमिको को लगभग 1,37,250 रुपये प्रतिमाह वेतन दिए जाएंगे। आईटीआई अलीगंज लखनऊ को टेस्टिंग कराने हेतु नोडल नामित किया गया है। उन्होंने इजरायल जाने वाले निर्माण श्रमिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रदेश के श्रमिकों के लिए ये सुनहरा अवसर है, इसमें पूरी तरह से समर्पित होकर कार्य करे, जिससे वहां के अनुभव और डिग्री से आपके काम की महत्वत्ता और बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि अच्छा और अनुभवी काम करने वाले लोगों को ही अपने यहाँ काम करने के लिए रखते है, इसलिए हमेशा ईमानदारी से कार्य करे। उन्होंने कहा कि अपने काम मे निरन्तर सुधार और निखार लाते रहे और जिंदगी में कुछ न कुछ नया सीखने पर जोर दें।

प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास एवं उद्यमशीलता एम. देवराज ने मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत भारत से इसराइल जाने वाले युवकों को मेहनत, लगन एवं ईमानदारी से कार्य करने की प्रेरणा दी।

श्रमायुक्त मार्कण्डेय शाही ने कहा कि इतने अच्छे वेतन पर सरकार की देख– रेख में विदेश जाने वाले युवको के लिए बड़े गर्व की बात है यह हमारे सरकार की सही दिशा में सोच का नतीजा है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में 5,000 लोगों को भेजा जा रहा है। इजराइल सरकार द्वारा भारत सरकार को 10,000 निर्माण श्रमिकों की आवश्यकता बतायी गयी है। उन्होंने कहा कि लगभग 11,000 इच्छुक श्रमिकों का डाटा एकत्र कर पीबा को प्रेषित किया गया।

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन कुणाल सिल्कू ने बताया कि निर्माण श्रमिकों को इजराइल में रोजगार दिये जाने की कार्यवाही कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कार्यरत् एजेन्सी एनएसडीसी इन्टरनेशनल व इजराइल सरकार के अधीन कार्यरत् एजेन्सी पीआईबीए के द्वारा की जा रही है। पीबा द्वारा चयनित श्रमिकों में से 23 जनवरी, 2024 को आगरा, कानपुर एवं लखनऊ से 629 श्रमिकों का, 24 जनवरी, 2024 को आजमगढ एवं बांदा मण्डल के 585 श्रमिकों का, 25 जनवरी, 2024 को बरेली, झांसी, नोयडा, मुरादाबाद एवं देवीपाटन मण्डल के 563 श्रमिकों का, 27 जनवरी, 2024 को वाराणसी, मिर्जापुर, मेरठ एवं गाजियाबाद के 656 श्रमिकों का, 28 जनवरी, 2024 को गोरखपुर मंडल के 877 श्रमिकों का 29 जनवरी, 2024 को अयोध्या एवं सहारनपुर मण्डल के 739 श्रमिकों का एवं 30 जनवरी, 2024 को अलीगढ, बस्ती एवं प्रयागराज मंडल के 603 श्रमिकों का परीक्षण किया जाएगा।

इस अवसर पर मान पाल सिंह, अपर निदेशक, सत्यकान्त, संयुक्त निदेशक, राज कुमार यादव, एस.के. श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य, मोहनलालगंज, चन्द्र शेखर सिंह, प्रधानाचार्य, चारबाग, आशुतोष सिंह, प्रधानचार्य, मलीहाबाद, शिवानी पंकज, प्रधानाचार्य, महिला आईटीआई, तथा श्रम विभाग एवं सेवायोजन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान श्री राम घर लौटेंगे गर्व की बात: गिरीष

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अयोध्या में 500 वर्ष बाद भगवान घर लौटेंगे यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है उक्त विचार उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चन्द यादव जी ने आज अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 जौनपुर संगत पंगत जौनपुर साल्वेशन हॉस्पिटल जौनपुर द्वारा आयोजित अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, खिचड़ी सहभोज, पारिवारिक मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि गिरीश चन्द यादव जी बोल रहे थे । उन्होंने कहा कि अयोध्या में विपक्षी दलों के नेताओं ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की घोषणा कर करोड़ो हिन्दुओ की भावनाओ आस्था के साथ खिलवाड़ किया है और कहा कि भगवान श्री राम का नाम तो लोग हर सुखदुःख में लेते है और पूरा विश्व इस समय श्री राम रामनाम का जप कर रहा है ।नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा देवी मौर्य ने कहा कि भगवान राम से बड़ा न कोई था न है न रहेगा भगवान राम सबके थे व सबके रहेंगे जो लोग भी प्राण प्रतिष्ठा के बारे में अपशब्द बोल रहे हैं वे समय आने पर कष्ट में रहेंगे। कायस्थ महासभा व संगत पंगत जौनपुर ने जौनपुर नगर में स्वामी विवेकानंद जी ,डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, डॉ राजेंद्र प्रसाद जी पूर्व राष्ट्रपति, लाल बहादुर शास्त्री जी पूर्व प्रधानमंत्री व अटल बिहारी वाजपेयी जी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा स्थापित करने की मांग किया जिसपर मंत्री गिरीश चन्द यादव जी चेयरमैन मनोरमा देवी मौर्या ने इन पांचों महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित करने का आश्वासन दिया जिसपर उपस्थित सैकड़ो लोगो ने ताली बजाकर स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। स्वागत भाषण करते हुए साल्वेशन हॉस्पिटल के सी एम डी डॉ विवेक श्रीवास्तव डॉ प्रियंका श्रीवास्तव ने कहा कि आज आपलोग आये साल्वेशन परिवार गर्व महसूस कर रहा है साल्वेशन हॉस्पिटल जनता की सेवा में सदैव तत्पर हैं और रहेगा ।कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोगो को सम्मानित किया गया व रामनाम भजन कीर्तन भी हुआ ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ महासभा 2150 के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया संचालन राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट ने किया ।कार्यक्रम में संरक्षक प्रेमचंद श्रीवास्तव, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, भाजपा नेता डॉ रामसूरत मौर्य, राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव राष्ट्रीय सचिव राकेश श्रीवास्तव साधु राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव, पूर्व प्रिंसिपल डॉ उमाकान्त श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक राकेश श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव सहसंयोजक अजय वर्मा अनुपम श्रीवास्तव,शशि श्रीवास्तव गुड्डू, प्रशांत पंकज श्रीवास्तव शशिराज सिन्हा पत्रकार,विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, संतोष श्रीवास्तव,डॉ संजय श्रीवास्तव, आतिश श्रीवास्तव बाकी, विनय श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव सुनील अस्थाना, अनिल श्रीवास्तव ,अनुराग श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव नवीन श्रीवास्तव डॉ सलिल श्रीवास्तव डॉ राहुल श्रीवास्तव डॉ अंजना सिंह, संजीव श्रीवास्तव राजू, सृजन श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव सौरभ श्रीवास्तव राज श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव आर्यन श्रीवास्तव संतोष निगम, विंध्याचल श्रीवास्तव धर्मेंद्र श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव अम्बरीष श्रीवास्तव संतोष निगम अमर श्रीवास्तव अनीस श्रीवास्तव प्रवीण श्रीवास्तव जितेन्द्र श्रीवास्तव सचिन सिन्हा आर पी श्रीवास्तव अनूप सिन्हा आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

यूपी में निवेश के नए द्वार खोलेगा UPITEX

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो में भाग लेंगे 300 से ज्यादा एग्जीबीटर्स

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आर्थिक विकास को गति देने और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के एक ठोस प्रयास के तहत पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) का यूपी चौप्टर यूपी इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (यूपीआईटीईएक्स) की मेजबानी के लिए तैयारी कर रहा है। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम 25 जनवरी से 29 जनवरी तक लखनऊ के प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा।

यूपीआईटीईएक्स बीटूसी बिजनेस को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए अहम अवसर भी देगा। यहां बिजनेस को विविध दर्शकों और उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच बनाने का अद्भुत अवसर भी मिलेगा। भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक में विकास के नए रास्ते तलाशने वाले बिजनेस इस एक्सपो का लाभ उठा सकते हैं। उत्तर प्रदेश के जीवंत बाजार में प्रवेश करने के इच्छुक बीटूसी उद्यमों के लिए यह एक्सपो एक रणनीतिक कदम हो सकता है। यहां उद्यमों को अपने लेटेस्ट प्रोडक्ट्स तो पेश करने का मौका मिलेगा ही साथ ही संभावित ग्राहकों से जुड़ने का अवसर भी प्राप्त होगा।

यूपीआईटीईएक्स एक रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की क्षमता को उजागर करने, निवेश आकर्षित करने और व्यापार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना है। उम्मीद है कि यह आयोजन राज्य की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के लक्ष्य में योगदान देने में अहम भूमिका निभाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। इसमें कृषि–खाद्य और फार्म, वास्तुकला और भवन, जीवन शैली और उपभोक्ता एक्सपो, फैशन स्ट्रीट और फर्नीचर, सौर ऊर्जा और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें हर सेक्टर के लिए डेडिकेटेड पवेलियन होंगे, जो एग्जीबीटर्स और लोगों के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (न्च्प्ज्म्) में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के 300 से ज्यादा एग्जीबीटर्स की पर्याप्त भागीदारी देखने को मिल रही है। इस एक्सपो में जम्मू–कश्मीर, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे भारतीय क्षेत्रों के साथ–साथ तुर्की, थाइलैंड, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान जैसे देश सक्रिय रूप से भाग लेंगे, जिनका लक्ष्य राज्य के व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देना है। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, डिपार्टमेंट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, उत्तर प्रदेश सरकार, ओडीओपी, इंवेस्ट यूपी, खादी और ग्राम उद्योग, जम्मू और कश्मीर ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (जेकेटीपीओ), नाबार्ड, सिडबी और एसबीआई जैसी उल्लेखनीय सरकारी संस्थाएं इस अहम आयोजन में शामिल होने वाली हैं। पीएचडीसीसीआई के प्रमुख प्रतिनिधियों ने आगामी एक्सपो के लिए अपने विचार भी साझा किए। श्री हेमन्त सपरा, उत्तर प्रदेश चौप्टर, पीएचडीसीसीआई के सह–अध्यक्ष ने कहा कि यूपीआईटीईएक्स यूपी के व्यापार परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक पहल है। यह उत्तर प्रदेश को आर्थिक विकास में सबसे आगे ले जाने के लिए एक उत्प्रेरक में देखा जा रहा है।

सह अध्यक्ष श्री राजेश निगम ने कहा कि यूपी को निवेश चुंबक के रूप में स्थापित किया जा रहा है। ऐसे में यूपीआईटीईएक्स आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है। एक्सपो के विभिन्न पवेलियन कृषि, वास्तुकला, जीवन शैली और अन्य क्षेत्रों में अवसरों के एक गतिशील प्रदर्शन का वादा करते हैं।

पीएचडीसीसीआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ रंजीत मेहता ने कहा कि यूपीआईटीईएक्स दुनियाभर से 300 से अधिक एग्जीबीटर्स को एक साथ लाकर सहयोग के प्रमाण के तौर पर खड़ा है। यह मंच न केवल यूपी की क्षमता को उजागर करता है बल्कि आर्थिक विस्तार के लिए अहम अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को भी बढ़ावा देता है। रीजनल डायरेक्टर श्री अतुल श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यूपीआईटीईएक्स में पर्याप्त भागीदारी इसके महत्व का प्रमाण है।

गोमती नगर जन कल्याण महा समिति द्वारा दीपोत्सव का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति द्वारा अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मनोज पांडे चौराहे पर 'दीपोत्सव' का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 'महासमिति के महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ला, कार्यकारी महासचिव कनल ए एन पांडे, सचिव सी जी नायर, Alok Misra] Kk Maurya] Rakesh Tyagi,आईटी प्रभारी वी के जौहरी'

'कार्यकारी सचिव "नउपज "पदही, अ संजय निगम–'

'नफीस अहमद –सेवा प्रमुख',

विवेक खंड महिला प्रभारी दीपा टंडन, विवेक खंड ३ महिला प्रभारी अर्चना सिंह, टपतंउ ींदक झ्ंउंस, डते तंर्मी ज्लंहप, वारिस अली खान,आशीष कुमार डिगडीगा, विवेक शुक्ला,विराम खंड महिला प्रभारी सुनीता पांडे, निर्म सं सिंह, संगीता मिश्रा, राकेश कुमार,सुमित सिंह,अरविंद शर्मा आद्य शर्मा, पिंटू वर्मा, मीता ढाल, नीलम सिंह, शशि निगम,आलोक शर्मा,'विवेक खंड ३ अध्यक्ष बी डी मिश्रा', सचिव आर पी मिश्रा, आर डी राम,सचिव आउपज , मिश्रा, शिव विलास दुबे सहित भारी संख्या में महासमिति खंड समिति एवं उप समिति की पदाधिकारी पदाधिकारी ने सहभागिता सुनिश्चित करते हुए दीपोत्सव में दीपक प्रज्वलित किया।

निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 23 जनवरी को हुआ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन अर्हता तिथि 01.01.2024 के आधार पर जनपद में अवस्थित समस्त 09 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो यथा 364–बदलापुर, 365–शाहगंज, 366–जौनपुर, 367–मल्हनी, 368–मुंगराबादशाहपुर, 369–मछलीशहर, 370–मडियाहू, 371–जफराबाद एवं 372–केराकत की निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन दिनांक 23 जनवरी 2024 को समस्त मतदेय स्थलों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पर कर दिया गया है। निर्वाचक नामावली जन सामान्य के निरीक्षण हेतु उक्त स्थलों पर एक सप्ताह की अवधि तक निरूशुल्क उपलब्ध रहेगी।

उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि 27 अक्टूबर 2023 को आलेख के प्रकाशित निर्वाचन नामावली में जहां पुरुष मतदाता की संख्या 1819234, महिला मतदाता की संख्या 1667708, तृतीय लिंग मतदाता की संख्या 154 तथा कुल मतदाताओं की संख्या 3487096 रही, वही 23 जनवरी 2024 को अंतिम प्रकाशित निर्वाचन नामावली में कुल मतदाताओं की संख्या 3510348 रहा जिसमें पुरुष मतदाता 1823629, महिला मतदाता 1686573, और तृतीय लिंग मतदाता 146 रहे पुनरीक्षण अवधि में कल बढ़े मतदाता 139216 रहे तथा विलोपित मतदाता 124331 रहे। इसी प्रकार 27 अक्टूबर 2023 को प्रकाशित निर्वाचन नामावली में 70 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 182115, 18 से 19 आयु वर्ग के युवा मतदाता 6708, ईपी रेशियो 66.82 और जेंडर रेशियो 916 था जबकि 23 जनवरी 2024 को अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली में 70 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 181380, 18 से 19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की संख्या 41235, ईपी रेशियो 67.26 तथा जेंडर रेशियो 925 रहा।

नरेन्द्र मोदी जी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, जिन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया : त्रिपुरेश मिश्रा

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। आज पराक्रम दिवस नेता सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती के अवसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम नगर पालिका परिषद शाहाबाद के प्रांगण में ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र जी द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । ब्लॉक प्रमुख जी द्वारा कार्यक्रम स्थल पर डूडा पीएम स्व निधि, पीएम आवास, स्वास्थ्य विभाग के स्टालो का निरीक्षण किया गया ।ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है। उन्होंने जनधन खाता खुलवाकर लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में पहुचाने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को स–समय योजनाओं का लाभ देकर विकास की मुख्य धारा में जोडना है। इसको ध्यान में रखते हुये प्रधानमंत्री जी द्वारा कई योजनाये संचालित की गई । पी0एम0 किसान योजना देकर किसानो का सम्मान बढाया है। तो वहीं उज्जवला योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन व सिलेण्डर देकर महिलाओं का भी सम्मान बढाया गया है तो वहीं आयुष्मान कार्ड योजना से गरीबो का निशुल्क उपचार हो रहा है। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि पत्रों को लाभ मिले समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुंचे।जीरो टॉलरेंस पर लाभ पहुंचाएं। पूर्व के कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे ध्1 में 15 पैसे ही जनता तक लाभ पहुंचता था। भाजपा की सरकार सबका साथ सबका विश्वास सबका विकास के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार पक्षपात नहीं करती लोग पक्षपात करते हैं सरकार का स्पष्ट निर्देश है, हर पत्र को लाभान्वित किया जाए।आज लाभार्थी को पूरा पैसा मिल रहा है शौचालय की पूरी किस्त पहुंच रही है। किसान सम्मान निधि का पूरा पैसा किसानों तक पहुंच रहा है पहले पेंशन में घोटाला होता था। आज वृद्ध विधवा विकलांग पेंशन उनके खातों में पूरी पहुंच रही है सभी पात्र व्यक्तियों से आग्रह है कि किसी भी जन सेवा केंद्र पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर ,सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

कार्यक्रम में समस्त लोगो को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई गयी। विशेषज्ञ अंबरीष कुमार सक्सेना के संचालन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के कार्यालय प्रभारी सुभाष रस्तोगी ने भी विकसित भारत संकल्प यात्रा पर विचार व्यक्त किया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि नपेंद्र मिश्रा आसाराम राठौर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद रस्तोगी सभासद अजीत कुमार रिजवान अली खान अतुल मिश्रा राकेश गुप्ता रिशिपाल मोहित खान प्रदीप कुमार रचित गुप्ता अहिबरन पाल शोएब खान आदित्य गौतम इच्छाराम शर्मा राजस्व निरीक्षक अनस खान सफाई निरीक्षक दीपक कुमार लेखाकार असद खान गृह विभाग के शान खान इकबाल समेत तमाम लोग एवं भाजपा के अनिल पांडे पिंटू डूडा के सौरभ,भाजपा के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। उनके द्वारा केन्द्र व राज्य सरकर द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विभिन्न योजनाओं से लोगो को किया गया आच्छादित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जनपद में 23 जनवरी को विकासखडं करंजाकला की ग्राम कुकुहा और पारापटटी, विकासखंड सुजानगंज की ग्राम पंचायत पतहना और रामपुरकला , विकासखण्ड बक्सा की ग्राम पंचायत बरपुर और मइ, विकासखण्ड मड़ियाहूं की ग्राम पंचायत सरायकालीदास और मईडीह, विकासखण्ड रामपुर की ग्राम पंचायत घाघरपुर और करौन्दीकला, विकासखण्ड जलालपुर की ग्राम पंचायत रामपुर सेवरी और करदहां, विकासखण्ड खुटहन की ग्राम पंचायत मुबारकपुर और मोजीपुर में किया गया। कार्यक्रम के तहत एलईडी वैन के माध्यम से सरकार की योजनाओ के प्रचार प्रसार के साथ ही आज स्वास्थ्य शिविर में लोगों की जांच की गयी। पीएम उज्ज्वला के तहत नये व्यक्तियों का नामांकन किया गया। उपस्थित लोगों ने देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया। ड्रोन से नैनौ युरिया, डीएपी, का प्रर्दशन किया गया और बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण, पीएम किसान योजना में नया पंजीकरण, ई–के0वाई0सी0 की सुविधाओं से ग्रामवासियों को आच्छादित किया गया।

सहकारिता विभाग के अन्तर्गत ग्रामीणों को सहकारी समिति का सदस्य बनाकर प्रमाण पत्र देते हुए उन्हें लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग द्वारा जागरूकता स्टॉल लगाते हुए विभिन्न कृषि, कृषक आधारित योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कृषि विभाग द्वारा मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती, श्री अन्नध् मिलेटस की उपयोगिता, स्थानीय कृषि उत्पादन संगठनों के उत्पादन के प्रति प्रदर्शनी रबी अभियान के अन्तर्गत प्रगतिशील कृषकों द्वारा उच्च उत्पादकता प्राप्त करने हेतु संवाद कार्यक्रम किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत स्टॉल के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण एवं आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया। पशुपालन विभाग के स्टॉल के अन्तर्गत पशुओं सामयिक टीकाकरण व रोगों के बारे में कृषकों को जागरूक किया गया। आपूर्ति एवं विपणन विभाग के स्टॉल के अन्तर्गत पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गतन निःशुल्क राशन एवं पीएम उज्ज्वला योजना पर प्रकाश डाला गया। कृषि उत्पादन संगठनों के उत्पादन के प्रति प्रदर्शनी रबी अभियान के अन्तर्गत प्रगतिशील कृषकों द्वारा उच्च उत्पादकता प्राप्त करने हेतु संवाद कार्यक्रम किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत स्टॉल के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण एवं आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया। पशुपालन विभाग के स्टॉल के अन्तर्गत पशुओं सामयिक टीकाकरण व रोगों के बारे में कृषकों को जागरूक किया गया। आपूर्ति एवं विपणन विभाग के स्टॉल के अन्तर्गत पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गतन निःशुल्क राशन एवं पीएम उज्ज्वला योजना पर प्रकाश डाला गया।

यातायात के सभी नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलायें :- जिलाधिकारी

बिना हेलमेट दो पहिया एवं बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन न चलायें:-मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। आज सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अन्तर्गत सीएसएन पीजी कालेज परिसर में विभिन्न कालेजों के छात्र–छात्राओं के बनायें मानव श्रखंला कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उपस्थित समस्त छात्र–छात्राओं को सुरक्षित रहने के लिए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलायी तथा छात्रों की तरह स्वयं भी अधिकारियों के साथ हाथ में हाथ जोड़कर जंजीर की तरह मानव श्रखंला बनायी।

मानव श्रखंला में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आज शपथ लें कि स्वयं बिना हेलमेट मोटर साईकल, स्कूटी नहीं चलायेगें और चार पाहिया वाहन चलाते समय ड्राइवर सहित अन्य बैठे लोगों को सीट बेल्ट लगवायेगें। उन्होने शपथ दिलायी कि वाहन चलाते वक्त फोन पर बात न करें, शराब पीकर वाहन न चलाये, ड्राईविंग लाईसेंस बिना वाहन न चलाये और यातायात के अन्य सभी नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलायेंगें। जिलाधिकारी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन स्वयं करें और अपने पारिवारीजनों सहित जन सामान्य को भी जागरूक करें तथा स्वयं सुरक्षित रहे और दूसरों को सुरक्षित रखें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने छात्र–छात्राओं से कहा कि कल 24 जनवरी 2024 को सभी स्कूल, कालेज, ब्लाक, तहसील एवं मुख्यालय पर रसखान प्रेक्षागृह में यूपी स्थापना दिवस का आयोजन किया जायेगा, जिसमें उत्तर प्रदेश की स्थापना एवं प्रदेश से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों से अवगत कराया जायेगा, इसलिए सभी छात्र–छात्राएं यूपी स्थापना दिवस पर विद्यालय अवश्य जायें। उन्होने कहा इसके साथ ही 25 जवनवरी 2024 को 14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन सभी बूथा के अलावा, ब्लाक, तहसील एवं मुख्यालय पर राजकीय इण्टर कालेज में भव्य रूप में मनाया जायेगा। उन्होने कहा कि जिन छात्र–छात्राओं की आयु 01 जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूरी हो गयी है वो वोटर ऐप के माध्यम से अपना नाम विधान सभा मतदाता सूची में दर्ज करायें और अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के साथ मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करें और 25 जनवरी को अपने घरवालों के साथ अपने बूथ पर अवश्य जाये और बूथ पर मतदान के दिखायी जाने वाले वीडियो फिल्म जरूर देखकर मतदान के प्रति जागरूक हो। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, एआरटीओ दया शंकर तथा सीएसएन पीजी कालेज के प्रधानाचार्य ने छात्र–छात्राओं को यातायात नियम पालन करने की सलाह दी। मानव श्रखंला में जिला विद्यालय निरीक्षक, एआरटीओ संजीव कुमार, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी व शिक्षकों सहित भारी संख्या में विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

देवा में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयंती के अवसर पर शौर्य दिवस का आयोजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। संस्कारित शिक्षा, इंटर कॉलेज में शक्तिशाली व्यक्तित्व व अद्वितीय साहस से ओत–प्रोत नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जी की जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित कर पराक्रम दिवस शौर्य दिवस मनाया गया।इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक सहदेव उपाध्याय, प्रधानाचार्या नमिता मिश्रा, कोऑर्डिनेटर रीतू त्रिपाठी, सीता शरण मिश्रा, मंजू पाण्डेय व सुमन दूबे ने मां सरस्वती का पूजन अर्चन नमन किया व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को दिशा प्रदान की।शिक्षक घनश्याम यादव ने नेता जी के सिद्धांतों, विचारों व कार्यों पर प्रकाश डाला व उनके जीवन व्यक्तित्व–कृतित्व से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए युवाओं को उनकी शक्ति व सामर्थ्य का बोध कराया।

विद्यालय प्रबंधक सहदेव उपाध्याय ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ष्तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगाष जैसे जोशीले क्रांतिकारी नारे ने नेता जी को अलग पहचान दी।हमें नेता जी से अनुशासन व दृढनिश्चय सीखने की आवश्यकता है।

अमेरिका में भी रामलला की धूम ,वाशिंगटन में राम नाम कीर्तन की मची धूम

-भारतीय मूल के निवासी ने सुंदरकांड पाठ का किया आयोजन

अमेरिका में सुंदरकांड व भजन कीर्तन करते स्वामी रामानन्द जी व अमेरिकी भक्त

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

वाशिंगटन, अमेरिका।अयोध्या में 22 जनवरी 2024 की तारीख इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गयी है।आज रामलला अपने स्थायी मंदिर में विराजमान हो गए हैं।गर्भगृह में राम भगवान की प्राण–प्रतिष्ठा विधि विधान पूर्वक संपन्न हो गयी है।राम मन्दिर को लेकर देश में ही नहीं विदेशों में भी रामलला के अयोध्या आगमन की धूम देखी जा रही है।खास बात यह है भारतीय मूल के निवासी व अमेरिका में वैज्ञानिक डॉ आर एस द्विवेदी ने अपने घर पर प्रभु श्री राम भक्तो के साथ पूजन अर्चन कर राम नाम की अलख जगाने का काम किया है।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के समय डॉ स्वामी रामानंद जी महाराज ने अमेरिका के वाशिंगटन मे सुंदरकांड पाठ के साथ राम नाम कीर्तन का आयोजन किया गया।इसके साथ ही पूरे शहर में ढोल की गूंज के साथ ही, श्जय श्री रामश के नारे भी लगाए गए।अमेरिका के वाशिंगटन में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्प्रिचुअल एडवांसमेंटश के स्वामी रामानन्द जी महराज ने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या धाम में भगवान राम के मंदिर का निर्माण दुनिया भर के हिंदुओं के लिए आस्था और उत्सव का एक महत्वपूर्ण दिन है. संकट मोचन फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी ने वहां मौजूद जनसमुदाय को संबोधित किया

अयोध्या (एजेन्सी)। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी ने वहां मौजूद जनसमुदाय को संबोधित किया। भावुक और भरे हुए गले से शुरू हुआ यह संबोधन धर्म, समाज और राजनीति के पहलूओं को टटोलता रहा। मोदी ने अपनी बात में भगवान राम से माफी मांगी। उन्होंने कहा ष्मैं आज प्रभु श्री राम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक यह कार्य कर नहीं पाए। आज वह कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है कि प्रभु श्री राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगेष उनकी इस बात को इस रुप में देखा जा सकता है कि वह राम मंदिर के निर्माण में आई बाधाओं को नए सिरे रेखांकित करना चाह रहे हैं। वह इसे एक गलती साबित करना चाह रहे हैं जाहिर है कि यह गलती उनके पाले में नहीं विपक्ष के पाले में जाएगी। पीएम मोदी ने यहां संविधान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान है। बावजूद इसके राम को अपनी जगह बनाने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद करते हुए कहा कि न्याय पालिका ने न्याय की लाज रख ली। संविधान में राम का जिक्र होना और फिर भी राम मंदिर ना बन पाना दोनों बातों को जोड़कर उन्होंने एक संकेत दिया है। यह संकेत बदलाव का भी हो सकता है अपने उद्बोधन में मोदी ने कहा कि 22 जनवरी 2024 का सूरज एक आभा लेकर आया है। यह तारीख नहीं, एक कालचक्र का उदगम है। हमें सदियों के धैर्य की धरोहर मिली है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हुआ राष्ट्र ऐसे ही नए इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद इस तारीख की चर्चा करेंगे। ये राम कृपा है कि हम सब इस पल को जी रहे हैं। इसे घटित होते देख रहे हैं। ये समय सामान्य समय नहीं है। यह इसलिए क्योंकि रामलला अब टेंट में नहीं भव्य मंदिर में रहेंगे। यह मंदिर मात्र एक दैव मंदिर नहीं है, यह भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, भारत के आधार हैं।

समस्त प्रदेश वासियो को भगवान श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाये।

सतीश चंद्र चौधरी
पूर्व जिला प्रमुख सचिव
शिवसेना अयोध्या धाम उत्तर प्रदेश
मोबाइल नंबर
9161821043

सुभाष चंद्र बोस थे एक अद्वितीय राष्ट्रनायकः प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित रोवर्स रेंजर भवन में कुलपति प्रो वंदना सिंह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया । उन्होंने कहा कि आज हम सभी मिलकर नेता सुभाष चन्द्र बोस के उत्कृष्ट जीवन और कार्यों को स्मरण कर रहे हैं जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने साहस और समर्पण से ब्रिटिश शासकों को टक्कर दी । आज के दिन हमें उनके उत्कृष्टता को याद करके स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए ।

उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस एक अद्वितीय राष्ट्रनायक थे, उनका सपना था एक स्वतंत्र और समृद्धशाली भारत का निर्माण करना । इसके लिए उन्होंने अपने प्रबंध कौशल से भारत ही नहीं कई देशों से संपर्क कर समर्थन प्राप्त किया था । उन्होंने अपने जीवन के हर क्षण में उन आदर्शों को अपनाया जो साहस, स्वाधीनता, और समर्पण की मिसाल थीं । वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि नेता जी का संघर्ष और प्रतिबद्धता आज भी हमें प्रेरित करता है । उन्होंने भारतीय राष्ट्रीयता को एक मजबूत, समृद्ध और एकमत राष्ट्र की दिशा में एकाग्र किया उनका संदेश है कि समर्थ और समर्पित युवा समृद्धि और स्वतंत्रता के पथ पर अग्रसर हो सकता है।

कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है, हम सभी को यह आदर्श बनाए रखना चाहिए कि हम एक सशक्त राष्ट्र की स्थापना के लिए समर्पित हैं । नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जयंती के अवसर पर कुलपति समेत अधिकारियों एवं शिक्षकों ने उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर प्रो. अजय द्विवेदी, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ प्रमोद यादव, डॉ गिरिधर मिश्र, डॉ. रसिकेश, डॉ मनीष प्रताप सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ पुनीत धवन, डॉ अमित वत्स, डॉ प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ पुनीत सिंह, डॉ. दीपक सिंह, डॉ नवीन चौरसिया, राजेंद्र सिंह, स्वामीनाथ समेत विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

CMS स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी का निधन, लंबे समय से मेदांता में चल रहा था इलाज

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ सीएमएस स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी का रविवार की रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। गांधी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। लखनऊ सीएमएस स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी का बीते रविवार की रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। गांधी लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।